HkVd lenj ij (Lost at Sea)

vke jk; cuku dk ,d i;kl

y{; %

1. वैयक्तिक और सामूहिक स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया के माध्यम से समूहों में आम राय (मतैक्य) बनाने के व्यवहार की प्रभाविता की जांच करना,
2. सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया के माध्यम से सहक्रिया (Synergy) यानी मिल कर काम करने की अवधारणा की जांच करना.

leg dk vkdkj %

कितना भी बड़ा समूह हो सकता है. इसे पांच से बारह तक की टीमों में बांट दें. कई टीमों से एक साथ काम करवाया जा सकता है. यदि एक टीम में पांच से सात सहभागी हो तो सहक्रिया के अच्छे परिणाम सामने आ सके हैं.

vko';d le; %

लगभग एक घंटा.

lkexh %

1. पेन्सिलें,
2. हर टीम के लिए 'भटके समुंदर पर' वैयक्तिक कार्यपत्रक की दो प्रतियां,
3. प्रत्येक सहभागी के लिए 'भटके समुंदर पर' समूह कार्यपत्रक की प्रति,
4. प्रत्येक सहभागी के लिए 'भटके समुंदर पर' उत्तर और तर्काधार (Rationale) पत्रक की प्रति, और
5. फ्लिप चार्ट और मार्कर पेन.

Hkkfrd 0;oLFkk %

ऐसी सुविधा जिसमें वैयक्तिक और टीम स्तर पर बिना बाधा के काम हो सके.

ifØ;k %

1. प्रशिक्षक, प्रत्येक सहभागी को 'भटके समुंदर पर' वैयक्तिक कार्यपत्रक की दो–दो प्रतियां देते हैं और यह निर्देश देते हैं कि दोनो प्रतियों को सहभागी के नाम सहित पूरा करना है. इस पर जोर दें कि सहभागियों को यह काम स्वतंत्र रूप से करना है और इसके लिए उन्हें अधिक से अधिक पंद्रह मिनट का समय दिया जाएगा.
2. पन्द्रह मिनट के बाद प्रशिक्षक हर प्रशिक्षणार्थी से पत्रक की एक प्रति ले लेता है. दूसरी प्रति टीम कार्य के लिए है.
3. प्रशिक्षणार्थियों को पांच से बारह की टीमों में बांट दिया जाता है और उन्हें उसी कमरे में या टीम कक्षों में निर्दिष्ट स्थानों पर बैठ कर काम करने के लिए कहा जाता है. अच्छा हो कि हर टीम के सदस्यों के नाम पहले से तय कर के फ्लिप चार्ट पर लिख कर रख लिए जाएं ताकि समय की बचत हो सके.
4. हर टीम के एक प्रतिनिधि को 'भटके समुंदर पर' समूह कार्यपत्रक की एक प्रति दी जाती है. फिर प्रशिक्षक समूह को निर्देश पढ़ कर सुनाते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि टीम के हर सदस्य को आम सहमति बनाने के तरीके के टीम के निर्णय से आंशिक रूप से सहमत होना चाहिए, किंतु औसत निकालना, बहुमत के लिए वोट देना या सहमति के लिए सौदेबाजी (Negotiation) करना जैसे तरीकों से बचना चाहिए. सभी टीमों को इस काम को गंभीरतापूर्वक करने के निर्देश दिए जाने चाहिए.
5. टीमों को कार्यांश 30 मिनट में पूरा करने के लिए नियत स्थानों पर भेजा जाना चाहिए.
6. जब टीमें अपने काम में लगी होती है, प्रशिक्षक वैयक्तिक कार्यपत्रक को जांच कर अंक देते हैं. जांचने का तरीका यह होता है कि वैयक्तिक पत्रकों में दिए गए क्रम की तुलना 'सही सूची' में दिए गए क्रम से की जाती है. इन क्रमों के अंतर को धन बनाने पर वे उस मद के लिए अंक बन जाते हैं. सभी मदों के अंकों को जोड़ने पर उस व्यक्ति द्वारा प्राप्त कुल अंक बनते हैं. उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि सही सूची में कोई मद क्रमांक दो पर है और प्रशिक्षणार्थी उसे क्रमांक आठ पर रखता है तो उसे 2–8 यानी –6 अंक मिलेंगे. यदि सही सूची में कोई मद क्रमांक दस पर है और प्रशिक्षणार्थी ने उसे क्रमांक चार पर रखा तो उसे 10–4 यानी 6 अंक मिलेंगे. सब ऋणात्मक संख्याओं को धनात्मक बना कर उन्हें सब

धनात्मक संख्याओं के साथ जोड़ दिया जाता है. इस प्रकार प्राप्त होने वाले सब अंकों का जोड़ उस व्यक्ति के कुल वैयक्तिक प्राप्तांक होंगे. यि जितने अधिक होंगे उतना खराब प्रदर्शन माना जाएगा. अब प्रशिक्षक हर टीम के सदस्यों के वैयक्तिक प्राप्तांकों का जोड़ कर के उसे सदस्यों की संख्या से विभाजित कर के हर टीम के औसत वैयक्तिक प्राप्तांक की गणना कर लेते हैं.,

7. 30 मिनट के बाद प्रशिक्षक, समूह कार्यपत्रकों को इकट्ठा कर लेते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक पत्रक पर संबंधित टीम की पहचान अंकित है. इसके बाद सारे समूह को इकट्ठा किया जाता हे और कहा जाता है कि कार्यांश के निष्पादन में आम राय प्राप्त करने के लिए उनके द्वारा अपनाए गए उपागमों पर चर्चा करें.
   - किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?
   - उन्होंने इन कठिनाइयों को कैसे हल किया ?
   - वे परिणाम से कितने संतुष्ट थे ? और
   - क्या उन्होंने समय का उपयोग प्रभावी ढंग से किया ?

   इन प्रश्नों को फ्लिप चार्ट पर लिख कर समूह के लिए प्रदर्शित कर देना चाहिए.
8. इस बीच प्रशिक्षक समूह कार्यपत्रकों की जांच करते हैं. यदि दो प्रशिक्षक उपलब्ध हों तो एक कार्यपत्रकों की जांच करे और दूसरा चर्चा का संचालन करे.
9. अब प्रशिक्षक अंकों का सारांश दिखाने वाला निम्नानुसार चार्ट तैयार करते हैं.

leg ppk l igy

समूह	औसत वैयक्तिक प्राप्तांक	सबसे अधिक सही जवाब देने वाले प्रशिक्षणार्थी के प्राप्तांक
उदाहरण	55	45
1		
2		
3		
सब समूहों के लिए औसत		

leg ppk d ckn

समूह	समूह मतैक्य के लिए प्राप्तांक	औसत वैयक्तिक प्राप्तांकों से कम/ अधिक	सबसे सही व्यक्ति कि प्राप्तांकों से कम/ अधिक	सहक्रियाएँ*
उदाहरण	**40**	**.15**	**.5**	**हां**
1				
2				
3				
सब समूहों के लिए औसत				

- सहक्रिया का होना तब माना जाता है जब मतैक्य प्राप्तांक, सबसे कम वैयक्तिक प्राप्तांकों से कम हों.

10. सारे वैयक्तिक और सामूहिक कार्यपत्रक प्रशिक्षक लौटा देते हैं और हर सहभागी को 'भटके समुंदर पर' उत्तर और तर्काधार की एक प्रति देते हैं. समूह को उत्तर और तर्काधार पर चर्चा के लिए कुछ समय देने के बाद प्रशिक्षक आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं और सहक्रिया कारक को स्पष्ट करते हैं.
11. प्रशिक्षक, वैयक्तिक श्रेणी और समूह मतैक्य श्रेणी के तुलनात्मक परिणामों पर चर्चा का नेतृत्व करते हैं. प्रशिक्षक के द्वारा नीचे दिए गए प्रश्नों का सुझाव दिया जा सकता है :
    - मतैक्य बनाने की प्रक्रिया में कौनसे व्यवहारों से मदद मिली या व्यवधान पैदा हुआ ?
    - निर्णय लेने के कौनसे प्रतिमान (Pattern) उभर कर आए ?
    - दूसरों को प्रभावित करने वाले सदस्य कौन थे और वे किस प्रकार प्रभावित कर रहे थे?
    - समूह ने जानकारी के संसाधनों की खोज कैसे की और उनका उपयोग कैसे किया ? क्या इन संसाधनों का पूरा उपयोग किया गया ?
    - समितियों और संस्थाओं के कर्मचारियों के समान स्थाई कार्य समूहों के लिए मतैक्य और सहक्रिया प्राप्त करने के क्या निहितार्थ हैं ? और
    - समूह की अभिवृत्ति पर इस प्रकार की प्रक्रिया का क्या परिणाम हो सकता है?

इस अभ्यास और चर्चा से नीचे लिखे अधिगम बिंदु उभर सकते हैं :

– सहक्रिया हा सकती है, जिसके फलस्वरूप वैयक्तिक उत्तर की तुलना में टीम का उत्तर बेहतर होगा,
– समूहों में निर्णय लेने वाली प्रक्रिया प्रायः कठिन और अधिक समय लेने वाली हो सकती है,
– व्यक्तियों के स्तर पर निर्णय हो जाने के बाद समूह के द्वारा चर्चा से निर्णय कर पाना कठिन होता है,
– सौदेबाजी (Negotiation) करने की तुलना में समझौता (Compromise) कर लेना अधिक आकर्षक होता है,
– समय के दबाव के कारण और भी बड़े समझौते हो जाते हैं,
– दूसरों को प्रभावित करने वाले व्यक्ति टीम की सहक्रिया को कम कर सकते हैं,
– प्रभावी टीमें सदस्यों की वैयक्तिक विशेषज्ञता की पहचान और कद्र करती हैं,
– टीमें प्रभावी समय प्रबंधन नहीं कर पातीं,
– विस्तार में अनावश्यक चर्चा करने से बेहतर होता है कि सदस्यों के वैयक्तिक निर्णय के आधार का पता लगाया जाए (जैसे मद विशेष के क्रम के बारे में), और
– प्रभावी टीमों में सफलता के लिए प्रतिबद्धता पैदा हो जाती है.

चर्चा का संचालन करते समय प्रशिक्षक को यह सावधानी बरतनी चाहिए कि देखे गए व्यवहार पर आधारित प्रश्न ही पूछें. जो हुआ उससे समूह को स्वयं ही सीखने के बिंदुओं की पहचान करनी चाहिए. उन्हें यह नहीं बताया जाना चाहिए कि क्या होना चाहिए था और उन्हें कौनसे सीखने के बिंदुओं की पहचान करनी थी. यदि समूह को यह बताया जाए कि उन्हें क्या सीखना था तो यह खतरा हो सकता है कि वे सीख का`अस्वीकार ही कर दें.

odfYid fØ;k,

1. समूह व्यवहार या वैयक्तिक व्यवहार पर फीडबैक देने के लिए पर्यवेक्षकों की सेवाएं ली जा सकती हैं,

2. समूह द्वारा समस्या समाधान वाले चरण के ठीक पहले सहक्रिया और पतैक्य बनाने पर एक छोटा व्याख्यान आयोजित किया जा सकता है ताकि सहयोग के प्रति समूह की मानसिकता बन जाए,
3. सहभागियों को 'भटके समुद्र पर' कार्यपत्रक की केवल एक प्रति दे कर यह कहा जा सकता है कि वे स्वयं ही अपने पत्रकों की जांच करें, और
4. सहभागियों से कहा जा सकता है कि समूह का निर्णय हो जाने के बाद वे फिर एक बार मदों का क्रम जमा कर देख लें ताकि इस बात की जांच हो सके कि क्या उनके वैयक्तिक प्राप्तंकों में बढ़ोतरी हुई है.

HkVd lenj ij o;fDrd dk;i=d

नाम ——————————————————————————————————————

समूह ——————————————————————————————————————

निर्देश :

आप दक्षिण हिंद महासागर में एक जहाज पर जा रहे हैं. आग लगने के कारण आपका जहाज डूब रहा है. आप सबसे पास के भूभाग से 1500 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में हैं.

सामग्री की उन पंद्रह मदों की सूची नीचे दी जा रही है जो आग से बच गई हैं. इनके अलावा रबर की एक बड़ी नाव और पतवारें भी हैं जो जहाज पर सवार सब व्यक्तियों के और नीचे दी गई सामग्री के लिए पय्राप्त हैं. बचे हुए लोगों की जेबों में सिगरेट के कई पैट, भरी हुई माचिसें और दस रुपए के पांच नोट हैं.

आपको नीचे दी गई पंद्रह मदों को उस क्रम में जमाना है जिस क्रम में वे आपके बचाव के लिए जरूरी हों.

इस प्रकार, सबसे महत्वपूर्ण सामग्री को क्रमांक 1 मिलेगा और सबसे कम महत्वपूर्ण को क्रमांक 15. मद से पहले की लाईन पर उसका क्रमाक लिखें.

- सेक्सटेन्ट (तारों और सूर्य का कोण नापने का यंत्र),
- दाढ़ी बनाने का आईना (दर्पण),
- पच्चीस लीटर पानी का भरा हुआ कैन,
- मच्छरदानी,
- सूखी, खाने योग्य सामग्री का बड़ा बक्सा,
- हिंद महासागर का नक्शा,

- हवा से भरी ट्यूब (पानी में तैरने में सहायक),
- दस लीटर पेट्रोल और तेल का मिश्रण,
- छोटा ट्रांजिस्टर रेडियो,
- शार्क मछली को भगाने की दवा (Shark Repellant),
- मोटी प्लास्टिक शीअ का 20 वर्ग फीट का टुकड़ा,
- 1 लीटर शराब (जिसमें 80 प्रतिशत अल्कोहल है),
- 15 फीट लम्बी नायलॉन की रस्सी,
- चॉकलेट बार के दो डिब्बे, और
- मछली पकड़ने की सामग्री.

HkVd lenj ij leg dk;i=d

समूह _____

निर्देश :

यह सामूहिक निर्णय लेने का अभ्यास है. आपके समूह को निर्णय तक पहुंचने के लिए मतैक्य विधि अपनानी है. इसका मतलब यह है कि सामग्री की सभी पंद्रह मदों का क्रम हर सदस्य को मान्य होना ही चाहिए. तभी वह समूह निर्णय का भाग बन सकेगा. मतैक्य पर पहुंचना कठिन होता है. अतः यह हो सकता है कि हर मद के क्रम से हर सदस्य पूरी तरह सहमत न हो. एक समूह के रूप में हर मद का क्रम ऐसा निर्धारित कीजिए जिसमें समूह के सब सदस्य कम से कम आंशिक रूप से सहमत हों. मतैक्य पर पहुंचने के लिए आप नीचे दिए गए सिद्धांतों का उपयोग कर सकते हैं :

1. अपने वैयक्तिक निर्णय के बचाव में बहस करने से बचें. दिए गए कार्यांश को तर्क की दृष्टि से देखें.
2. केवल सहमति प्राप्त करने और झगड़े से बचने के लिए अपने मत को न बदलें. उन्हीं उत्तरों का समर्थन कीजिए जिनसे आप कुछ तो सहमत हो सकें.
3. झगड़ा कम करने के उपायों जैसे बहुमत के लिए वोट देना, औसत निकालना या सौदेबाजी करना, को मत अपनाइए.
4. मतभेदों को निर्णय लेने की प्रक्रिया में मददगार के रूप में देखें, न कि व्यवधान के.
   - सेक्सटेन्ट (तारों और सूर्य का कोण नापने का यंत्र),
   - दाढ़ी बनाने का आईना (दर्पण),
   - पच्चीस लीटर पानी का भरा हुआ कैन,
   - मच्छरदानी,
   - सूखी, खाने योग्य सामग्री का बड़ा बक्सा,
   - हिदं महासागर का नक्शा,

- हवा से भरी ट्यूब (पानी में तैरने में सहायक),
- दस लीटर पेट्रोल और तेल का मिश्रण,
- छोटा ट्रांजिस्टर रेडियो,
- शार्क मछली को भगाने की दवा (Shark Repellant),
- मोटी प्लास्टिक शीट का 20 वर्ग फीट का टुकड़ा,
- 1 लीटर शराब (जिसमें 80 प्रतिशत अल्कोहल है),
- 15 फीट लम्बी नायलॉन की रस्सी,
- चॉकलेट बार के दो डिब्बे, और
- मछली पकड़ने की सामग्री.

HkVd lenj ij mÙkj vkj rdk/kkj i=d

व्यापारी जहाजी बेड़े के अधिकारियों ने पंद्रह मदों का क्रम निर्धारित करके 'सही उत्तर' बनाया है. इन विशेषज्ञों के अनुसार जब हम समुद्र पर भटक जाते हैं तब आवश्यक बुनियादी सामग्री दो प्रकार की होती है – एक, जिसकी पदद से आप अपनी ओर ध्यान आकर्षित कर सकें और दूसरी वह जो बचाने वालों के आने तक जीवित रहने में मदद दे सके.

दिशा पता करने के उपकरणों का कोई उपयोग नहीं होता. यदि छोटी नाव से जमीन तक पहुंचा भी जा सके तो भी उसमें इतनी भोजन सामग्री नहीं ले जाई सकती जो इस लम्बी यात्रा के लिए पर्याप्त हो. अतः सबसे महत्वपूर्ण दो मद हैं – दाढ़ी बनाने का दर्पण और पेट्रोल–तेल मिश्रण. जब कोई हवाई जहाज आपको ढूंढता हुआ आए तो इन दो चीजों से इशारा किया जा सकता है. इनसे कम महत्वपूर्ण हैं – पानी और सूखी भोजन सामग्री.

नीचे दिए गए क्रम के साथ संक्षिप्त स्पष्टीकरण भी दिया गया है.

1. दाढ़ी बनाने का दर्पण

बचाने वाले हवाई जहाज को इशारा करने के लिए.

2. दस लीटर पेट्रोल–तेल मिश्रण

इशारा करने के लिए महत्वपूर्ण. इसे समुद्र की सतह पर फैला कर माचिस और दस रुपए के नोट की सहायता से आग लगाई जा सकती है.

3. पच्चीस लीटर पानी का कैन

पसीने के कारण शरीर से उड़ने वाले पानी की पूर्ति के लिए.

4. सूखी भोजन सामग्री का बक्सा

भोजन की बुनियादी जरूरत पूरी करने के लिए.

5. मोटी प्लास्टिक शीट का टुकड़ा

बारिश का पानी इकट्ठा करने और धूप से बचाव के लिए.

6. चॉकलेट बार के डिब्बे

आरक्षित भोजन सामग्री

7. मछली पकड़ने की सामग्री

भोजन और चॉकलेट से क्रम में नीचे. इस बात की गारंटी नहीं है कि आप मछली पकड़ ही पाएंगे.

8. पंदरह फीट लम्बी नायलॉन की रस्सी

सामान को बांा कर रखने के लिए, ताकि वह नाव में से बाहर न गिर जाए.

9. हवा भरी रबर ट्यूब

यदि कोई नाव में से गिर जाए तो उसे बचाने के काम आ सकती है.

10. शार्क मछली को भगाने की दवा

इसका उपयोग स्पष्ट है.

11. एक लीटर शराब

यदि किसी के शरीर पर घाव हो जाए तो लगाने के काम आ सकती है, अन्यथा कोई उपयोग नहीं. यदि किसी ने इसे पी लिया तो 80 प्रतिशत अल्कोहल के कारण उसके शरीर से सारा पानी उड़ जाएगा.

12. छोटा ट्रांजिस्टर रेटियो

चूंकि यह संदेश भेजना का साान नहीं है, अतः इसका कोई उपयोग नहीं. जहां आप हैं वहां तक रेडियो स्टेशन से तरंगे भी नहीं पहुंच पाएंगी.

13. हिंद महासागर का नक्शा

दिशा सूचक उपकरण न होने के कारण बेकार है. आप कहां है यह महत्वपूर्ण नहीं है, आपको खोजने वाले कहां हैं यह ज्यादा महत्वपूर्ण है.

14. मच्छरदानी

बीच समुद्र में मच्छर नहीं होते.

15. सेक्सटेन्ट

के अन्य उपकरणों (तालिकाएं समय सूचक) के बिना इसका उपयोग नहीं किया जा सकता. भोजन सामग्री की तुलना में इशारा करने के उपकरणों को ऊपर रखने का तर्काधार यह है कि बिना इशारे के देखे जाने की संभावना नहीं के बराबर होती है. यदि पहले डेढ–दो दिनों में बचाव हो गया तो इतना समय तो बिना भोजन के गुजारा जा सकता है.

उपरोक्त जीवन–रक्षक आईटमों (भोजन व पानी) पर संकेत देने वाले साधनों की रेंक करने का मुख्य आधार यह है कि इन साधनों को संकेत दिये बिना चिन्हित होने या बचने का कोई अवसर नहीं है। इसके अलावा, बचने की सर्वाधिक आवश्यकता प्रथम 36 धण्टों में ही होती है और यही समय होता है जब कोई भी व्यक्ति बिना भोजन व पानी के जीवित रह सकता हैं ।